

S.B. Criminal Revision Petition No.100/2006  
S.B. Criminal Misc. Stay Application No. 215/2006  
(Girish Kachhwaha Versus Smt. Pooja)

Date of Order :: 13<sup>th</sup> January, 2014

**HON'BLE MR. JUSTICE MAHESH CHANDRA SHARMA**

Mr. Manoj for Mr. R.K. Kala, Sr. counsel for the petitioner  
Mr. B.N. Sandu, counsel for the respondent

This revision petition has been filed by the petitioner against the order dated 22.10.2005 passed by Judge, Family Court, Ajmer in Cr. Case No. 158/2003, whereby Rs. 2000/- has been awarded as maintenance to the respondent-wife and Rs. 1000/- has been awarded as maintenance for the son Harshit @ Hani.

I have heard learned counsel for the parties and perused the impugned order dated 22.10.2005.

I am in agreement with the findings arrived at by the Judge, Family Court, Ajmer in her order dated 22.10.2005. The relevant part of the order dated 22.10.2005 reads as under:

"जहाँ तक प्रार्थीया की स्वयं की आय का सम्बंध है प्रार्थीया ने अपनी साक्ष्य में बताया है कि वह कोई काम नहीं करती तथा उसकी माता ए. डब्लू. 2 तारा गहलोत ने अपने सशपथ बयानों में कहा है कि उसकी पुत्री महीने में एक दो बार यूनिवर्सिटी में लेक्चर के लिये जाती है तब एक लेक्चर के 200/- रुपये मिलते हैं अतः प्रार्थीया की साक्ष्य से यह भी प्रकट होता है कि प्रार्थीया के पास स्वयं व अपने अवयस्क पुत्र के भरण पोषण हेतु कोई स्थाई अथवा पर्याप्त आय का साधन नहीं है। जहाँ तक अप्रार्थी की आय का प्रश्न है, प्रार्थीया ने अप्रार्थी द्वारा शिक्षण संस्थान चलाने व कम्प्यूटर संस्थान चलाने के कार्य से प्रतिमाह 30 हजार रुपये आय अर्जित

करना बताया है। अप्रार्थी ने अपने जवाबदावे के पैरा न. 22 में कम्प्यूटर ठीक करने के व्यवसाय से 2500-3000 रुपये मासिक कमाना तथा इसी पैरा के अंत में स्वयं को बेरोजगार होना व मजदूरी करके जीवन यापन करना बताया है। अतः अप्रार्थी जहाँ एक और स्वयं का कम्प्यूटर ठीक करने का व्यवसाय करना स्वीकार करता है, वही दूसरी ही सांस में स्वयं को बेरोजगार बताकर मजदूरी करने का कथन करता है, अप्रार्थी पढ़ा लिखा युवक है स्वयं ने अपने जवाबदावे के पैरा न. 13 में शिक्षित व कम्प्यूटर डिप्लोमा होल्डर होना स्वीकार किया है, इस अवस्था में एक स्वस्थ दृष्ट पुष्ट जवान व्यक्ति जो शिक्षित व कम्प्यूटर डिप्लोमा होल्डर है, उससे यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह बेरोजगार हो और केवल मजदूरी करके अपना जीवन यापन करता हो, विशेषकर उन परिस्थिति में जबकी वह स्वयं कम्प्यूटर व्यवसाय करना स्वीकार करता है। अतः रेकार्ड पर आये तथ्यों से अप्रार्थी द्वारा कम्प्यूटर व्यवसाय का कार्य करना माने जाने योग्य है और अप्रार्थी के स्तर के आधार पर अप्रार्थी की कम्प्यूटर व्यवसाय से आय औसतन 15000/- रुपये होना माने जाने योग्य है। प्रार्थिया ने अपने पुत्र का एच. के. जी. में सेंट स्टीफन स्कूल में पढ़ना बताया है तथा उसके समर्थन में उसका फीस कार्ड, किताबों की रसीद आटो किराये की रसीद आदि पेश की है जिसके अवलोकन से प्रकट होता है कि पुत्र की पढ़ाई पर प्रतिमाह 610/- रुपये फीस के आटो किराये के 275/- रुपये खर्चा आता है तथा इसके अलावा भी उसकी किताबों खाने पीने व अन्य आवश्यकताये हैं। अतः प्रकरण की समस्त परिस्थितियों पर विचार करते हुए इस तथ्य को देखते हुये कि प्रार्थिया व उसके पुत्र को भी अप्रार्थी के समान जीवन स्तर से जीवन यापन करने का अधिकार है, अप्रार्थी की आय व प्रार्थिया व उसके पुत्र की आवश्यकताओं को देखते हुये आज आदेश की तिथी 22.10.05 से प्रार्थिया पूजा को स्वयं के

लिये 2000/- रुपये प्रतिमाह व उसके पुत्र हर्षित उर्फ हनी के लिये 1000/- रुपये प्रतिमाह कुल 3000/- रु. (तीन हजार रुपये) प्रतिमाह भरण पोषण भत्ता अप्रार्थी से दिलाया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः उपरोक्त समस्त अभिनिर्धारण बिन्दू इसी प्रकार प्रार्थीया के पक्ष में निर्णीत किये जाते हैं। प्रार्थीया का प्रार्थनापत्र इसी प्रकार एकपक्षीय स्वीकार किये जाने योग्य है।"

In view of above, I do not find any force in this revision petition and the same being bereft of any merit, deserves to be dismissed, which stands dismissed accordingly after confirming the order dated 22.10.2005 passed by the court below.

The stay granted on 14.3.2007 is vacated and stay application stands disposed of accordingly.

**(Mahesh Chandra Sharma)J.**

DK

All corrections made in the judgment / order have been incorporated in the judgment / order being E-mailed.

Dilip Khandelwal  
PA